मूल्यनिष्ठ समाज के निर्माण में ब्रह्माकुमारीज़ का योगादान अतुलनीय : मुख्यमंत्री

राजयोगिनी ब्र.कु. सुरेन्द्र दीदी 'सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस' एवं राजयोगिनी ब्र.कु. परनीता दीदी 'सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट' से सम्मानित

ब्र.कु. सुरेन्द्र दीदी को 'सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस तथा ब्र.कु. परनीता दीदी को 'सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट' प्रदान करने के पश्चात् समूह चित्र में माननीय मुख्यमंत्री कृष्णचन्द्र नेपाली पोखरेल, कानून मंत्री बिन्दु कुमार थापा, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स,लंदन के सचिव डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके, ब्र.कु. कमला दीदी,बुटवल, ब्र.कु. दुर्गा दीदी,नेपालगंज तथा अन्य।

माननीय मुख्यमंत्री कृष्णचंद्र नेपाली पोखरेल को परमात्म स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए ब्र.कु. गंगाधर, संपादक,ओमशान्ति मीडिया,मा.आबू, राजयोगिनी ब्र.कु. सुरेन्द्र दीदी व राजयोगिनी ब्र.कु. परनीता दीदी।

नेपाल-पोखरा। गण्डकी प्रदेश नेपाल के माननीय मुख्यमंत्री कृष्णचन्द्र नेपाली पोखरेल ने राजयोगिनी ब्र.कु. सुरेन्द्र दीदी, वरिष्ठ निदेशिका,ब्रह्माकुमारीज़, बनारस क्षेत्र भारत एवं पश्चिम नेपाल तथा राजयोगिनी ब्र.कु. परनीता दीदी,निदेशिका, अध्यक्ष, ब्रह्माकुमारीज़ नेपाल को उनके मूल्यनिष्ठ समाज निर्माण में आध्यात्मिक एवं चारित्रिक योगदान तथा कोरोना काल में सभी को तनाव, डिप्रेशन से दूर रखने एवं सभी की मानसिक स्थिति को संतुलित बनाये रखने हेतु दिये गये उनके बहुमूल्य योगदान के लिए 'द वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स,लंदन' द्वारा 'सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस' एवं 'सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट' प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा समाज में किया जा रहा चरित्र उत्थान का कार्य सराहनीय है। उन्होंने कहा कि दादा लेखराज ने समाज में मूल्य स्थापित करने के लिए बहनों-माताओं को सुसंस्कारित किया। और आज न सिर्फ नेपाल में बल्कि पूरे विश्व में इस संस्था के द्वारा मूल्य आधारित समाज का निर्माण हो रहा है। साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे राजयोगिनी ब्र.कु. सुरेन्द्र दीदी व राजयोगिनी ब्र.कु. परनीता दीदी जैसी महान विभूतियों को अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए गौरव महसूस हो रहा है। इस मौके पर ब्र.कु. सुरेन्द्र दीदी ने यह अवॉर्ड प्राप्त कर परमपिता परमात्मा शिव को समर्पित किया। इस कार्यक्रम में पश्चिम नेपाल से सम्बंधित सेवाकेन्द्र की मुख्य राजयोग शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। साथ ही सचिव रंजना शर्मा, गण्डकी प्रदेश के कानून,संचार तथा प्रदेश सभा मामला मंत्री बिन्दु कुमार थापा, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स,लंदन के राष्ट्रीय सचिव ब्र.कु. डॉ. दीपक हरके, ओमशान्ति मीडिया के सम्पादक राजयोगी ब्र.कु. डॉ. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़ नेपाल के केन्द्रीय समिति के पदाधिकारी गण, समाजसेवी, व्यवसायी, कई संघ-संस्थाओं के प्रतिनिधि, पत्रकार जन एवं विभिन्न स्थानों से अनेक भाई-बहनें मौजूद रहे।

सुबह-सुबह मन को सकारात्मक विचारों के खाद्य देना है अनिवार्य

नासिक-महा। अपने जीवन में होने वाली अच्छी बातों को याद करके सकारात्मक बातों को उजागर करना चाहिए। जीवन में बहुत सारी अच्छी चीज़ें हैं जो आपको खुश करती हैं, लेकिन जब आप दु:खी होते हैं तो आप खुशी की चीज़ों को भूल जाते हैं इसलिए जब आप एक-दूसरे से मिलते हैं, तो आपको हमेशा अच्छी, सकारात्मक और उल्हासित करने वाली चीज़ों का आदान-प्रदान करना चाहिए, जो आपके जीवन में हमेशा खुशियां लाएं। उक्त विचार ब्र.कु. हुसैन बहन,ओआरसी,गुरुग्राम ने देव मामलदार यशवंत महाराज मैदान पर नासिक के वसंत व्याख्यान माला में जो कि 99 साल की समृद्ध परंपरा है और यह शताब्दी की ओर बढ़ रहा है, इस अवसर पर व्यक्त किये। उन्होंने 'आध्यात्मिकता के माध्यम से तनाव मुक्त जीवन' पर व्याख्यान देते हुए कहा कि जैसे बेहतर पाचन के लिए सुबह

खाली पेट कोई भी माजुम या खाद्य पदार्थ ग्रहण किया जाता है वैसे ही हमें अपने मन को सकारात्मक विचारों के खाद्य सुबह-सुबह देना अनिवार्य है। साथ ही ब्र.कु. हुसैन बहन ने सभी से अपील करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा सिखाया जाने वाला राजयोग ध्यान हमारे दिमाग को सही दिशा देता है, इसलिए यह राजयोग अवश्य सीखना और करना चाहिए। ब्रह्माकुमारीज़ के नासिक उपक्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. वासंती दीदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर ब्र.कु. पुष्पा दीदी, ब्र.कु. वीणा दीदी, नगर सेविका सुवर्णा ताई मटाले, नगर सेविका वत्सला ताई खैरे तथा समाज के गणमान्य पांडे मिठाई की संचालिका कल्पना पांडे को सम्मानित किया गया। मौके पर वसंत व्याख्यानमाला के अध्यक्ष श्रीकांत बेनी द्वारा परिकल्पित व्याख्यान में डॉ. संगीता बाफना ने अतिथियों का स्वागत किया।

स्थूल नेत्रों के साथ हृदय के नेत्रों को भी रखें स्वच्छ व निर्मल

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर

झोझूकलां-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सेठ किशनलाल वाले मंदिर में आँखों के नि:शुल्क चिकित्सा जाँच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पवन धीर हॉस्पिटल भिवानी से आई हुई चिकित्सकों की टीम ने सेवाएं प्रदान की। इस दौरान डॉ. अक्षय, डॉ. आशा तथा पवन, राजकुमार, ममता, मेजर सुखबीर आदि ने मरीजों की आँखों की जाँच करते हुए उन्हें उचित परामर्श दिए एवं नि:शुल्क दवाइयां प्रदान की। इस मौके पर ब्र.कु. वसुधा बहन एवं ब्र.कु. ज्योति बहन ने चिकित्सकों व उनकी टीम को स्मृति चिन्ह व ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि आँखें हमारे शरीर का महत्वपूर्ण अंग हैं, यह हमें अच्छी व बुरी चीज़ों को देखने व परखने की क्षमता प्रदान करती हैं, जिससे हम सत्य के मार्ग को पहचान सकें। लेकिन उससे अधिक आवश्यक है कि हम अपने हृदय के नेत्रों को निर्मल रखते हुए परमात्मा के स्मरण व चिंतन को सदैव आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि मेडिटेशन व योग को नियमित अपनाकर हम अपने अंतर के विकारों को दूर कर सकते हैं। इसके लिए सर्वमान्य मार्ग समस्त प्राणियों के प्रति बिना किसी वैर भाव को रखे उनकी सेवा करना है। इस दौरान कैम्प में भारत विकास परिषद् महिला शाखा झोझू अध्यक्ष पूजा, बिशन सिंह आर्य, मास्टर संजू, बलवान सिंह, सुरेंद्र सिंह, पंडित यशपाल शर्मा, चंद्रभान, टेकचंद, धरमवीर आदि का विशेष सहयोग रहा। बड़ी संख्या में लोगों ने शिविर का लाभ लिया।

'नर्स' व्यवसाय की भावना के बजाय सेवा का भाव रखें

नर्स दिवस पर मनमोहिनी के ग्लोबल ऑडिटोरियम में ब्रह्माकुमारीज़ ने 75 नर्सों को किया सम्मानित

शांतिवन-आबू रोड। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के तहत अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ के मनमोहिनी वन स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में 75 नर्सों का सम्मान किया गया। इस मौके पर गीतांजलि नर्सिंग कॉलेज उदयपुर की डीन डॉ. संध्या घाई ने कहा कि नर्स माँ और चिकित्सक की तरह होती है। जो मरीज को हर वक्त राहत देने का प्रयास करती है। नर्स की एक मुस्कान से मरीज की सेहत सुधर जाती है। इसलिए यह ज़रूरी है कि नर्स इसे अपना व्यवसाय समझने के बजाय सेवा का भाव रखें। जीबी पंत हॉस्पिटल दिल्ली के कार्डियक विभाग के प्रमुख डॉ. मोहित गुप्ता ने कहा कि राजयोग ध्यान एक संजीवनी की तरह

है। यदि प्रतिदिन इसे जीवन में उतारें तो मनुष्य के मन और तन दोनों को ही मज़बूती मिलती है। संस्थान के कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि तन और मन को स्वस्थ रखने के लिए प्रतिदिन राजयोग और ध्यान को अपनाने का प्रयास करना चाहिए। नर्सों को इसकी बहुत आवश्यकता है। ग्लोबल हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. प्रताप मिड्ढा ने कहा कि नर्स की सेवाएं सराहनीय हैं। हॉस्पिटल और सरकार को इनके लिए और भी बहुत कुछ करने की ज़रूरत है। कार्यक्रम में बच्चों ने लघु नाटिका के ज़रिए नर्सों के जीवन में उमंग उत्साह बढ़ाने, उनके सामने आने वाली अनेक चुनौतियों से लड़ने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के मेडिकल प्रभाग के कार्यकारी सचिव ब्र.कु. डॉ. बनारसी लाल शाह ने अतिथियों का सम्मान किया। एसएलएम ग्लोबल नर्सिंग कॉलेज आबूरोड की प्रिंसिपल शशिबाला गुप्ता ने आभार प्रकट किया। इस मौके पर प्रो. बानू, डॉ. एम.डी. गुप्ता, डॉ. सूरज, डॉ. मंजू गुप्ता, ब्र.कु. रूपा, कर्नल जितेन्द्र सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th June, 2022
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा डी.बी. कॉर्प.लि. भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, आबू रोड(राज.)- 307510
See Latest News - www.omshantimedia.org